

सहिभूम में सबसे अधिक मतदान दर्ज

चर्चा में क्यों?

झारखंड में पहले चरण के मतदान में सहिभूम में सबसे अधिक 63.14% मतदान हुआ।

मुख्य बटु:

- सहिभूम के बाद 62.82% के साथ खूँटी, 62.60% के साथ लोहरदगा और 59.99% के साथ पलामू का स्थान रहा।
 - रेंगदाहातु, मुरमुरा, तेनसारा और सयांबा में गहन माओवादी वरिधी अभयान तथा **CRPF शवरिरीं** की स्थापना के साथ-साथ मतदान केंद्र स्थापति कयि गए थे।
- **माओवाद वरिधी अभयानों** की प्रभावशीलता स्पष्ट है कयोंक कई गाँवों में दो दशकों में पहली बार स्थानीय मतदान केंद्र बने हैं, जसिसे उच्च मतदान हुआ।
- स्थिति में सुधार के बावजूद पश्चिमी सहिभूम देश के सबसे अधिक **वामपंथी उग्रवाद** प्रभावति ज़िलों में से एक बना हुआ है। यहाँ **वरष 2023** में 46 माओवादी-संबंधी घटनाएँ भी दर्ज की गईं, जनिमें **22 मौतें** हुईं।
 - **माओवाद माओ त्से तुंग द्वारा वकिसति साम्यवाद** का एक रूप है। यह **सशस्त्र वदिरोह, जन लामबंदी और रणनीतिक गठबंधनों** के संयोजन के माध्यम से राज्य की सत्ता पर कब्ज़ा करने का एक सदिधांत है।

वामपंथी उग्रवाद (Left Wing Extremism- LWE)

- वामपंथी उग्रवाद, जसि वामपंथी आतंकवाद या कट्टरपंथी वामपंथी आंदोलनों के रूप में भी जाना जाता है, उन राजनीतिक वचिरधाराओं और समूहों को संदर्भति करता है जो क्रांतिकारी तरीकों के माध्यम से महत्त्वपूर्ण **सामाजिक एवं राजनीतिक परिवर्तन का समर्थन** करते हैं।
- LWE समूह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लयि **सरकारी संस्थानों, कानून प्रवर्तन एजेंसयिों या नजिी संपत्तिको** नशाना बनाने जैसे कदम उठाते हैं।
- भारत में वामपंथी उग्रवादी आंदोलन की शुरुआत **वरष 1967** के पश्चिमी बंगाल में **नक्सलबाडी (Naxalbari)** के उदय के साथ हुई।